security. They have Indian affiliates also which are banned under the relevant laws. All the steps are being taken and I am very confident that it is paying dividend also. There is no need to really worry and say that we are not taking enough steps to secure Mumbai.

SHRI KIRANMAY NANDA: Have all the coastal States introduced biometric card for the seagoing fishermen? Is there any proposal to set up GPS in all seagoing fishing boats?

SHRI KIREN RIJIJU: Yes, all the fishermen, especially in the vulnerable areas, are being provided with all the gadgets which will ensure their identity so that they are not misused by some unwanted and undesirable elements in our territory.

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के ओलपैड, सूरत स्थित तेल के कुएं में लगी आग

*186. **श्रीमती कनक लता सिंहः** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अप्रैल, 2015 में सूरत जिले के ओलपैड कस्बे के पास तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के तेल के कुएं में लगी आग से जान-माल की भारी क्षति हुई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि मशीनों द्वारा आग लगने का संकेत पहले से दिया जा रहा था परंतु सुरक्षा अधिकारी अनुपस्थित थे और आग लगने के संकेत के बाद भी जरूरी उपकरण उपलब्ध नहीं कराये गए;

(ग) क्या यह भी सच है कि स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े अधिकारी की अनुभवहीनता के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं; और

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान हुई ऐसी घटनाओं का ब्यौरा क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री धर्मेंद प्रधान) : (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) जैसा कि ओएनजीसी द्वारा बताया गया है, दिनांक 18-04-2015 को सूरत शहर के समीप ओलपैड कस्बे में स्थित गैस कूप ओलपैड-31 में आग लग गई थी। इस जबर्दस्त आग के कारण घायल हुए 12 व्यक्तियों में से दो व्यक्तियों की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई, पांच व्यक्तियों को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है और उपचार करवा रहे शेष पांच व्यक्तियों की स्थिति स्थिर बताई गई है। ओएनजीसी ने यह भी बताया है कि 82 किसानों की फसलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं तथा किराए पर लिए गए रिग और क्रेन पर चल रहा कार्य भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

(ख) क्षतिग्रस्त ब्लोआउट प्रीवेंटर के प्रतिस्थाहन के दौरान अनियंत्रित रूप से प्रवाहित हो रही गैस ने आग पकड़ ली। यह एक जबर्दस्त आग थी और सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित सभी

कार्मिक स्थल पर उपस्थित थे और स्थल पर किसी आकस्मिकता से निपटने के लिए सभी अपेक्षित संसाधन उपलब्ध कराए गए थे।

(ग) ओएनजीसी ने कार्य केंद्रों पर स्वास्थ्य रक्षा और पर्यावरण विभाग में अधिकारियों की तैनाती की है। तथापि, तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) द्वारा की गई जांचों के अनुसार मुख्य चूकें, जिनके कारण आग लगी थी, वे क्षेत्र कार्मिकों द्वारा मानक प्रक्रियाओं से हटकर काम करना और किराए पर लिए गए वेधन रिग पर कार्य कर रहे प्रचालनात्मक कार्मिकों के पास पर्याप्त अनुभव का नहीं होना थीं।

(घ) ओएनजीसी में पिछले तीन वर्षों में कूप में आग लगने की ऐसी कोई घटना नहीं हुई है।

Fire in oil well of ONGC at Olpad, Surat

†*186. SHRIMATI KANAK LATA SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether there has been huge loss of life and property in an incident of fire that took place in the oil well of Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) near Olpad town in Surat in April, 2015;

(b) whether it is also a fact that fire signal was being given by machines earlier, but security officers were absent and necessary equipments were not provided even after the fire signal;

(c) whether it is also a fact that due to inexperience of Health Safety and Environment (HSE) officer, such incidents are recurring; and

(d) the details of such incidents that occurred during the last three years?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI DHARMENDRA PRADHAN): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) As reported by ONGC, the fire incident occurred at gas well Olpad-31 located in Olpad town near Surat City on 18.4.2015. Out of the 12 persons injured due to the flash fire, two persons died during the treatment, five persons have been discharged after treatment and condition of five persons undergoing treatment is reported to be stable. ONGC has further reported that the crops belonging to 82 farmers got damaged and the work over rig and crane, which were charter hired, also got completely damaged.

† Original notice of the question was received in Hindi.

(b) The uncontrolled flowing gas caught fire during replacement of damaged Blow out Preventer. It was a flash fire and all the concerned personnel of safety and security were present at the site and all the required resources were provided to meet the exigency at site.

(c) ONGC has posted officers in Health Safety and Environment Department at the work centers. However, as per investigations carried out by Oil Industry Safety Directorate (OISD) the main lapses which contributed to the fire was deviation from the standard procedures by the field personnel and inadequate experience of operational personnel working on the chartered hired drilling rig.

(d) No such incident of well fire has occurred during last three years in ONGC.

श्रीमती कनक लता सिंह: आदरणीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहती हूं कि अप्रैल के महीने में सूरत के ओलपैड कस्बे के डिहिर गांव में ओ.एन.जी.सी. के एक कुएं में मरम्मत के दौरान आग लगने से दो लोग मारे गए और कई अन्य बुरी तरह से घायल हुए। इस घटना से देश का हजारों करोड़ रुपए स्वाहा हो गए।

माननीय मंत्री जी, हजारों करोड़ रुपए स्वाहा हुए हैं। आपने उत्तर में बताया है कि इस तरह के मरम्मत कार्यों को करते समय फायर सेफ्टी के लिए जो आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए थे, वे भी उठाए गए और आपने अपने उत्तर में यह भी कहा है कि सेफ्टी एवं सुरक्षा से जुड़े सभी सम्बन्धित अधिकारी साइट पर मौजूद थे। मैं आपसे जानना चाहती हूं कि ओ.एन.जी.सी. के चीफ हैल्थ सेफ्टी एनवायरमेंट अधिकारी, घटना से दो दिन पहले तक, दिल्ली एन.सी.आर. में अपनी टीम के साथ थे, जिसे तीन से चार दिन पहले यह जानकारी मिल गई थी कि डिहिर गांव में कुएं में मशीनों द्वारा ऐसे सिगनल्स मिल रहे हैं, जिनके कारण बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए।

श्रीमती कनक लता सिंह : और उनके वहां पहुंचते ही उसी दिन दुर्घटना हो गयी। फिर ऐसे अधिकारी, जिनके ऊपर सेफ्टी जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, अपनी टीम के साथ सूचना पाने के बाद दिल्ली, एनसीआर में क्या कर रहे थे? क्यों नहीं उन्होंने तत्काल जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर सभी जरूरी कदम उठाए? माननीय मंत्री जी, मेरा दूसरा सवाल यह है कि ....

श्री सभापति : एक वक्त में एक सवाल कीजिए। मंत्री जी, आप इसका जवाब दे दीजिए।

श्री धर्मेंद्र प्रधान : सभापति जी, माननीय सदस्य का यह तथ्य सही नहीं है कि वहां संबंधित अधिकारी उपस्थित नहीं थे। 15 तारीख से गैस लीकेज की खबरें आयीं, वे मेरे स्तर तक आयीं थीं और तुरंत ही संबंधित सुरक्षा अधिकारी, ओएनजीसी के वरिष्ठ अधिकारी उस फील्ड पर थे। यह एक मकैनिकल ऐक्सीडेंट है। उसको संभालने के बावजूद वह हमारे हाथ से बाहर गया और जान-माल का नुकसान हुआ। मैं विनम्रता के साथ आपके समक्ष कहना चाहूंगा कि जब हमने उत्तर दिया, तो मैंने प्रामाणिकता के साथ कहा है कि इसका जो स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर मैंटेन करना चाहिए था, उसको हम नहीं कर पाए। इस बात का संज्ञान हमारे सामने आया है। हम किसी को भी इसमें से बाहर नहीं रखेंगे। इसकी इन्क्वायरी हम कर रहे हैं और इसे हम सुधारेंगे।

श्रीमती कनक लता सिंह : सर, मेरा दूसरा सवाल है कि इस ओलपैड की घटना के बाद जो जांच कमेटी बैठी है, उसमें कौन-कौन लोग हैं? क्या जांच ऐसे अधिकारियों को सौंपी गयी है कि यदि निष्पक्ष जांच होगी तो वही दोषी होंगे क्योंकि जिनकी देख-रेख में यह मरम्मत का कार्य चल रहा था, उन्हीं को जांच सौंप दी गयी है? यदि ऐसा है तो क्या जांच में निष्पक्षता रहेगी?

श्री धर्मेंद्र प्रधान : सभापति जी, इस विषय में अभी दो एजेंसियों ने जांच की है। ओएनजीसी की इंटरनल एजेंसी, Health Safety and Environment Department ने भी जांच की है और जो हमारी ऑल सेक्टर्स की सुरक्षा के बारे में इंडिपेंडेंट एजेंसी है, ओआईएसडी, उसने भी की है। इस प्रकार दो एजेंसियों ने जांच की है। मैंने अपने उत्तर में लिखित रूप में दिया है कि ओएनजीसी की निजी एजेंसी और इंडिपेंडेंट एजेंसी, दोनों एजेंसियों ने कहा है कि वहां कुछ खामियां हैं इसलिए किसी को छुपाने का या किसी को रियायत देकर बचाने का कोई सवाल नहीं उठता है।

श्री महेंद्र सिंह माहरा : सभापति जी, इस समय उत्तराखंड में पूरे प्रदेश में मिट्टी के तेल के कोटे के लिए बहुत परेशानी हो रही है और वहां पर बहुत बड़ा क्राइसिस चल रहा है। सरकार ने लगातार दो बार उत्तराखंड का कोटा कम कर दिया है। 2011 से पहले वह 26,712 केएल था, उसे घटाकर 9,108 केएल कर दिया। अब 2015 में फिर से 152 केएल घटाकर 8,956 केएल कर दिया है। इसी संदर्भ में मैंने माननीय मंत्री जी से दस दिन पहले एक प्रश्न पूछा था।

श्री सभापति : आप अभी सवाल पूछिए।

श्री महेंद्र सिंह माहरा : मैं सवाल पूछ रहा हूं। मैंने पूछा था कि क्या उत्तराखंड या अन्य प्रदेशों में कोटा देने के लिए कोई राष्ट्रीय मानक निर्धारित हैं? माननीय मंत्री जी का उत्तर था कि कोई राष्ट्रीय मानक निर्धारित नहीं हैं। मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश, केरल, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 6 से 8 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष, यह कोटा फिक्स्ड है, जबकि उत्तराखंड में 3.32 लीटर प्रति व्यक्ति का प्रावधान किया गया है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ये जो नॉर्म्स निर्धारित किए गए हैं, वे किस आधार पर किए गए हैं? यदि राष्ट्रीय मानक नहीं हैं, इस तरह के कोई मानक नहीं हैं तो प्रदेश में किस तरह से मिट्टी के तेल का आवंटन किया जाता है, कृपया माननीय मंत्री जी इस संबंध में बता दें।

श्री धर्मेंद्र प्रधान : सभापति जी, यह प्रश्न मूल प्रश्न से कोई संबंध नहीं रखता है। मूल प्रश्न सूरत में ओएनजीसी के ऑयल फील्ड में हादसे के बारे में है और माननीय सदस्य उत्तराखंड के मिट्टी के तेल के बारे में पूछ रहे हैं।

श्री महेंद्र सिंह माहरा : सभापति जी ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, अगर आप इतना लम्बा इंट्रोडक्शन न दें...

श्री महेंद्र सिंह माहरा : यह इंट्रोडक्शन नहीं है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : तो आप सवाल पूछिए, आपका क्या सवाल है?

श्री महेंद्र सिंह माहरा : मेरा कहना यह है कि कोई राष्ट्रीय मानक निर्धारित नहीं है। मैं यही गुज़ारिश करना चाहता हूं कि उत्तराखंड के लिए केवल 3.32 लीटर का मानक क्यों रखा गया है जबकि बाकी प्रदेशों में ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : यह सवाल किससे रिलेटेड है?

श्री महेंद्र सिंह माहरा : हिमाचल प्रदेश है, केरल है, हरियाणा है, आंध्र प्रदेश है और सारे जो प्रदेश हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आपने सवाल पढ़ा है या नहीं पढ़ा है?

श्री महेंद्र सिंह माहरा : वहां पर 6 से 8 लीटर प्रति व्यक्ति प्रत्येक वर्ष के लिए निर्धारित है। मैं यही पूछना चाहता हूं ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: This is not going on record. It does not relate to the question. Please sit down.

श्री महेंद्र सिंह माहरा :*

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Question Hour is over. ...(*Interruptions*)... Statement by the Minister correcting ...(*Interruptions*)... You are not going on record. Why are you wasting your breath?

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Malnutrition among Tribal Children

†*187. SHRI MOTILAL VORA: Will the Minister of TRIBAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government is aware of the fact that tribal children are facing serious problem of malnutrition throughout the country;

(b) whether it is also a fact that physical and mental growth of the tribal children is affected due to malnutrition; and

(c) if so, the steps being taken by Government to improve the situation and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS (SHRI JUAL ORAM): (a) and (b) Malnutrition amongst children is a major challenge in the area of tribal health in the country. The latest data for indicators of malnutrition in children as per National Family Health Survey 2005-06 are as under:

---

* Not recorded.

† Original notice of the question was received in Hindi.